



|| श्री गणेशाय नमः ||

राशिफल

Shilpa

08/08/2001 14:08

Dugdol Moti

द्वारा उत्पन्न



पुजारी जी

बुनियादी ज्योतिषीय विवरण

बुनियादी विवरण

जन्म की तारीख	08/08/2001
जन्म का समय	14:08
जन्म स्थान	Dugdol Moti
अक्षांश	24.6467521
देशान्तर	72.0912562
समय क्षेत्र	5.5
अयनांश	23.88398074980233
सूर्योदय	06:15:59
सूर्यास्त	19:18:59

घटक चक्र

महीना	शुक्र
तिथि	5 (undefined), 10 (undefined), 15 (undefined)
विपरीत लिंग लग्न	कुंभ
नक्षत्र	
भगवान	बृहस्पति
समलिंगी लग्न	सिंह
Tatva	आकाश
रासी	कुंभ

पंचांग विवरण

तिथि	चतुर्थी
योग	सुकर्मण
नक्षत्र	उत्तराभद्र
करण	बलवा

ज्योतिषीय विवरण

वर्ण	ब्राह्मण
वास्या	जलचर
योनि	गाय
तिथि	शु.नवमी
नक्षत्राधिपति	शनि
नक्षत्र	उत्तराभद्र
प्रबल	वृश्चिक
Tatva	जल
करण	बलवा
नक्षत्र स्वामी	बृहस्पति
दलदल	चांदी
नाम वर्णमाला	ङ
रासी	मीन
नाड़ी	पित्त

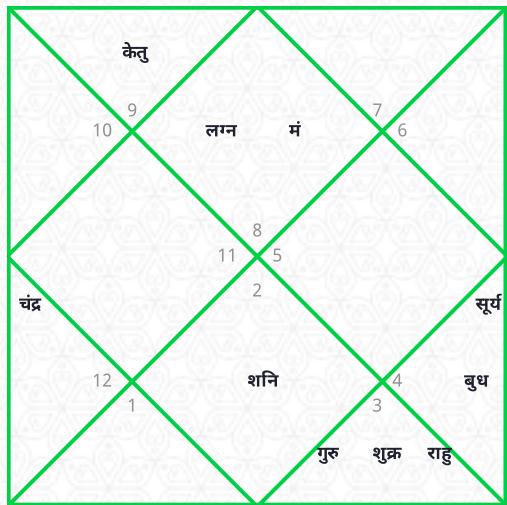
ग्रहों की स्थिति

ग्रहों	आर	संकेत	डिग्री	साइन लॉड	नक्षत्र	नक्षत्राधिपति	घर
लग्नश	वृश्चिक	216.98856379334018		मंगल	अनुराधा(2)	शनि	1
सूर्य	कैंसर	111.99425388633958		चंद्रमा	अश्लेषा(2)	बुध	9
चंद्रमा	मीन	336.88747980635964		बृहस्पति	उत्तराभद्र(2)	शनि	5
मंगल	वृश्चिक	233.76157880178056		मंगल	ज्येष्ठ(3)	बुध	1
बुध	कैंसर	114.66607199186947		चंद्रमा	अश्लेषा(3)	बुध	9
बृहस्पति	मिथुन	71.72231479214582		बुध	आर्द्र(2)	राहु	8
शुक्र	मिथुन	74.02597020284148		बुध	आर्द्र(3)	राहु	8
शनि	वृषभ	48.96844926106754		शुक्र	रोहिणी(3)	चंद्रमा	7
राहु	मिथुन	70.21528931235183		बुध	आर्द्र(2)	राहु	8
केतु	धनु	250.21528931235184		बृहस्पति	मुला(4)	केतु	2

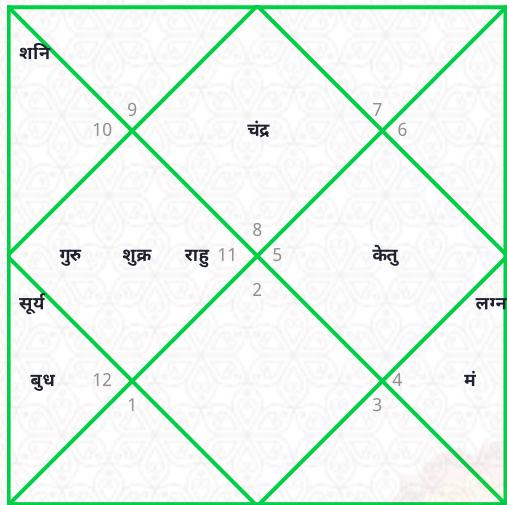
 सूर्य कैंसर अश्लेषा(2) लाभकारी	 चंद्रमा मीन उत्तराभद्र(2) अत्यधिक लाभकारी	 मंगल वृश्चिक ज्येष्ठ(3) लाभकारी
 बुध कैंसर अश्लेषा(3) अत्यधिक नुकसानदायक	 बृहस्पति मिथुन आर्द्र(2) लाभकारी	 शुक्र मिथुन आर्द्र(3) मारक
 शनि वृषभ रोहिणी(3) नुकसानदायक	 राहु मिथुन आर्द्र(2) अशुभ	 केतु धनु मुला(4) अशुभ

राशिफल चार्ट

लग्न कुंडली (जन्म कुंडली)

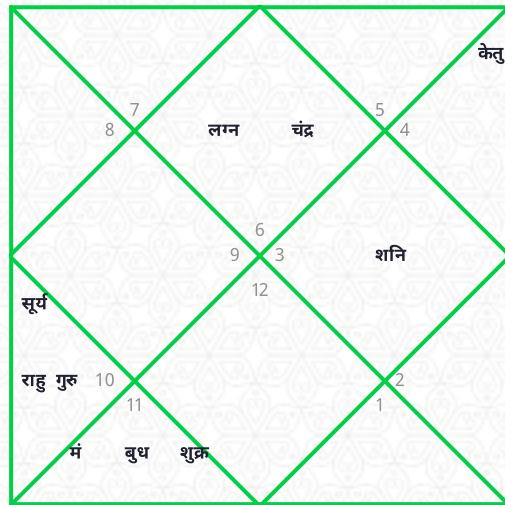


लग्न या लग्न, उस राशि की डिग्री है जो जन्म के समय पूर्वी क्षितिज पर उदित हो रही है। लग्न जन्म कुंडली में सबसे प्रभावशाली और महत्वपूर्ण राशि है। इस राशि को कुंडली का पहला घर माना जाएगा और अन्य घरों की गणना राशि चक्र की बाकी राशियों के अनुसार क्रम से की जाएगी। इस प्रकार, लग्न न केवल उदीयमान चिन्ह को चित्रित करता है, बल्कि चार्ट के अन्य सभी घरों को भी चित्रित करता है।



चंद्र कुंडली

चंद्र चार्ट भविष्यवाणी का एक महत्वपूर्ण उपकरण है और ग्रह संयोजनों के परिणाम तब अधिक प्रमुख होते हैं जब योग या कुछ संयोजन चंद्रमा और लग्न चार्ट दोनों में होते हैं।



नवमांश चार्ट(D9)

नवमांश चार्ट सबसे महत्वपूर्ण मंडल चार्ट है, नवमांश का अर्थ है एक विशेष राशि के नौ भाग जिसमें प्रत्येक अम्सा में 3 डिग्री और 20 मिनट होते हैं।

समग्र मैत्री तालिका

स्थायी मित्रता

ग्रहों	सूर्य	चंद्रमा	मंगल ग्रह	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि ग्रह
सूर्य	--	--	--	--	--	--	--
चंद्रमा	--	--	--	--	--	--	--
मंगल ग्रह	--	--	--	--	--	--	--
बुध	--	--	--	--	--	--	--
बृहस्पति	--	--	--	--	--	--	--
शुक्र	--	--	--	--	--	--	--
शनि ग्रह	--	--	--	--	--	--	--

अस्थायी मित्रता

ग्रहों	सूर्य	चंद्रमा	मंगल ग्रह	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि ग्रह
सूर्य	--	दुश्मन	--	दुश्मन	दोस्त	दोस्त	--
चंद्रमा	दुश्मन	--	--	दुश्मन	दोस्त	दोस्त	--
मंगल ग्रह	दुश्मन	दुश्मन	--	दुश्मन	दुश्मन	दुश्मन	--
बुध	दुश्मन	दुश्मन	--	--	दोस्त	दोस्त	--
बृहस्पति	दोस्त	दोस्त	--	दोस्त	--	दुश्मन	--
शुक्र	दोस्त	दोस्त	--	दोस्त	दुश्मन	--	--
शनि ग्रह	दोस्त	दोस्त	--	दोस्त	दोस्त	दोस्त	--

समग्र मैत्री तालिका

पांच प्रकार की मित्रता

ग्रहों	सूर्य	चंद्रमा	मंगल ग्रह	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि ग्रह
सूर्य	--	दुश्मन	--	दुश्मन	दोस्त	दोस्त	--
चंद्रमा	दुश्मन	--	--	दुश्मन	दोस्त	दोस्त	--
मंगल ग्रह	दुश्मन	दुश्मन	--	दुश्मन	दुश्मन	दुश्मन	--
बुध	दुश्मन	दुश्मन	--	--	दोस्त	दोस्त	--
बृहस्पति	दोस्त	दोस्त	--	दोस्त	--	दुश्मन	--
शुक्र	दोस्त	दोस्त	--	दोस्त	दुश्मन	--	--
शनि ग्रह	दोस्त	दोस्त	--	दोस्त	दोस्त	दोस्त	--

विंशोत्तरी दशा - 1

शनि	
रवि जुलाई 11 1999	
रवि जुलाई 05 2015	
शनि	जुलाई 11 1999
बुध	मार्च 19 2002
केतु	अप्रैल 28 2003
शुक्र	जून 27 2006
सूर्य	जून 09 2007
चंद्रमा	जनवरी 07 2009
मंगल	फरवरी 16 2010
राहु	दिसंबर 22 2012
बृहस्पति	जुलाई 05 2015

बुध	
गुरु नवंबर 30 2017	
मंगल जून 29 2032	
बुध	नवंबर 30 2017
केतु	नवंबर 27 2018
शुक्र	सितंबर 26 2021
सूर्य	अगस्त 02 2022
चंद्रमा	जनवरी 01 2024
मंगल	दिसंबर 28 2024
राहु	जुलाई 17 2027
बृहस्पति	अक्टूबर 21 2029
शनि	जून 29 2032

केतु	
गुरु नवंबर 25 2032	
बुद्ध जून 29 2039	
केतु	नवंबर 25 2032
शुक्र	जनवरी 25 2034
सूर्य	जून 02 2034
चंद्रमा	जनवरी 01 2035
मंगल	मई 30 2035
राहु	जून 16 2036
बृहस्पति	मई 23 2037
शनि	जुलाई 02 2038
बुध	जून 29 2039

शुक्र	
मंगल अक्टूबर 28 2042	
मंगल जून 24 2059	
शुक्र	अक्टूबर 28 2042
सूर्य	अक्टूबर 28 2043
चंद्रमा	जून 27 2045
मंगल	अगस्त 27 2046
राहु	अगस्त 26 2049
बृहस्पति	अप्रैल 25 2052
शनि	जून 25 2055
बुध	अप्रैल 24 2058
केतु	जून 24 2059

सूर्य	
रवि अक्टूबर 12 2059	
बुद्ध जून 24 2065	
सूर्य	अक्टूबर 12 2059
चंद्रमा	अप्रैल 12 2060
मंगल	अगस्त 18 2060
राहु	जुलाई 13 2061
बृहस्पति	मई 01 2062
शनि	अप्रैल 13 2063
बुध	फरवरी 17 2064
केतु	जून 24 2064
शुक्र	जून 24 2065

चंद्रमा	
शनि अप्रैल 24 2066	
रवि जून 23 2075	
चंद्रमा	अप्रैल 24 2066
मंगल	नवंबर 23 2066
राहु	मई 24 2068
बृहस्पति	सितंबर 23 2069
शनि	अप्रैल 24 2071
बुध	सितंबर 22 2072
केतु	अप्रैल 23 2073
शुक्र	दिसंबर 22 2074
सूर्य	जून 23 2075

विंशोत्तरी दशा - 2

मंगल		राहु		बृहस्पति	
मंगल	नवंबर 19 2075	रवि	मार्च 04 2085	सोम	अगस्त 07 2102
सोम	जून 22 2082	शनि	जून 19 2100	मंगल	जून 16 2116
मंगल	नवंबर 19 2075	राहु	मार्च 04 2085	बृहस्पति	अगस्त 07 2102
राहु	दिसंबर 06 2076	बृहस्पति	जुलाई 28 2087	शनि	फरवरी 17 2105
बृहस्पति	नवंबर 12 2077	शनि	जून 02 2090	बुध	मई 25 2107
शनि	दिसंबर 22 2078	बुध	दिसंबर 19 2092	केतु	अप्रैल 30 2108
बुध	दिसंबर 19 2079	केतु	जनवरी 06 2094	शुक्र	दिसंबर 29 2110
केतु	मई 16 2080	शुक्र	जनवरी 05 2097	सूर्य	अक्टूबर 17 2111
शुक्र	जुलाई 16 2081	सूर्य	नवंबर 30 2097	चंद्रमा	फरवरी 15 2113
सूर्य	नवंबर 21 2081	चंद्रमा	जून 01 2099	मंगल	जनवरी 22 2114
चंद्रमा	जून 22 2082	मंगल	जून 19 2100	राहु	जून 16 2116

वर्तमान चल रही दशा

दशा नाम	ग्रहों	आरंभ करने की तिथि	अंतिम तिथि
महादशा	बुध	बुद्ध जुलाई 08 2015 रात 12:00 बजे	गुरु जुलाई 08 2032 रात 12:00 बजे
अंतर्दशा	मंगल	रवि जनवरी 07 2024 रात 12:00 बजे	शुक्र जनवरी 03 2025 सुबह 6:00 बजे
पर्यातर्दशा	बुध	शनि जुलाई 06 2024 बहुत सवेरे 3:00 बजे	सोम अगस्त 26 2024 सुबह 10:39 बजे
शुक्रशमदाशा	शुक्र	मंगल जुलाई 16 2024 सुबह 9:19 बजे	बुद्ध जुलाई 24 2024 रात 10:36 बजे
प्रणादशा	केतु	बुद्ध जुलाई 24 2024 सुबह 10:37 बजे	बुद्ध जुलाई 24 2024 रात 10:36 बजे

* नोट: सभी तिथियां दशा की समाप्ति तिथि दर्शाती हैं।

लग्न रिपोर्ट



लग्न रिपोर्ट : वृश्चिक

विशेषताएँ	स्थिर, जलमय, उत्तर
भाग्यशाली रत्न	लाल मूँगा
भगवान्	मंगल
प्रतीक	बिच्छू
उपवास का दिन	मंगलवार

| ॐ अंगारकाय विद्महे सकलायुध हस्ताय धीमहि तत्रो भौमः प्रचोदयात् ॥

सभी लग्नों के वफादार और भावुक, आप होंगे। आप हर समय युवा दिखाई देंगे। अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ, आप पूरी दुनिया को जीत सकते हैं या इसे नष्ट कर सकते हैं, इस तरह आप चुनते हैं। आप प्राकृतिक नेता हैं और सक्षम हैं अपने साथियों के साथ सहानुभूति रखना। खराब संयोजन के साथ आपको अपने जीवनसाथी के साथ स्वभाव के मुद्दे होंगे। आप हमेशा जिज्ञासु होते हैं और उन चीजों को जानना चाहते हैं जिन्हें दूसरे तलाशने की हिम्मत करेंगे। कभी-कभी आप भावनात्मक पक्ष से कमजोर हो जाते हैं।

आपके पास एक गहन और परिवर्तनकारी प्रकृति है जो गहन सत्य और अनुभवों की तलाश करती है। आपमें छुपी गहराइयों को उजागर करने की शक्ति है।

जबसे भगवन लग्नेश 1 गृह मे है। आप एक प्रतिस्पर्धी, साहसी और उच्च जोखिम लेने वाले हैं। अच्छा पक्ष यह है कि यह आपको ताकत और शक्ति प्रदान करेगा। चोट से बचने के लिए आपको अपने साहसिक रवैये में सावधान रहना होगा। जोखिम लेने के लिए और अपनी जिज्ञासाओं को संतुष्ट करें आप कभी-कभी डरपोक हो सकते हैं।

लग्न रिपोर्ट

आध्यात्मिक सलाह

अपने आध्यात्मिक पथ पर परिवर्तन और आंतरिक परिवर्तन को अपनाएं। ध्यान और आत्मनिरीक्षण के माध्यम से आत्म-खोज की तलाश करें।

सकारात्मक लक्षण

भावुक

साधन संपन्न

दृढ़ निश्चयी

सहज ज्ञान युक्त

नकारात्मक लक्षण

ईर्ष्यातु

क्रोधी

जोड़-तोड़ करने वाला

जुनूनी



धन्यवाद



पुजारी जी

किसी भी प्रश्न के लिए कृपया संपर्क करें